

CHAPTER-5

थाथू और मैं

**(EXERCISE-5.1)**

**1-mark**

1. स्त्रीपति जी के बारे में क्या कहा गया है?

उत्तर: स्त्रीपति जी को 'थाथा' कहती हैं और जब उन पर बहुत प्यार आता है, तो उन्हें 'थाथ' बुलाती हैं।

2. थाथ और मूझे किस जगह जाने का शौक है?

उत्तर: थाथ और मूझे कभी-कभी सिनेमा जाने का शौक है और हम समुद्र तट पर जाते हैं।

3. थाथा और मूझे साथ में क्या करना पसंद है?

उत्तर: थाथा और मूझे साथ में चाँद पर जाने, सिनेमा देखने, दौड़ लगाने, और कलाबाज़ियाँ खाने का शौक है।

4. बारिश के दिन कैसा वातावरण होता है?

उत्तर: बारिश के दिन, थाथा खिड़की के बाहर इशारा करते हैं और बोलते हैं, "देखो! बरसात हो रही है। चलो! बाहर चलें।"

**5. मैं थाथा के साथ कैसे खेलती हूँ?**

**उत्तर:** मैं थाथा के साथ मछलियों को ढूँढ़ती हूँ और उनकी गोदी में बैठकर उनके साथ कूदती-फाँदती हूँ।

**6. मैं थाथा के साथ क्या करती हूँ जब अंधकार हो जाता है?**

**उत्तर:** जब अंधकार हो जाता है, मैं थाथा का हाथ पकड़ लेती हूँ और उनके साथ घर आ जाती हूँ।

**7. मैं थाथा के साथ क्या कहती हूँ जब वह किताब पढ़ रहे हैं?**

**उत्तर:** मैं थाथा के साथ कहती हूँ, "क्या मैं भी जादगर बनूँगी?" और फिर पछताती हूँ कि यदि मैं भी उनकी तरह बनूँ तो वह कहते हैं, "अब सो जाओ।"

**(EXERCISE-5.2)**

**2-mark**

**1. थाथा और मूझे साथ में किस जगह जाने का शौक है?**

**उत्तर:** थाथा और मूझे कभी-कभी सिनेमा जाने का शौक है और हम समुद्र तट पर जाते हैं।

**2. बारिश के दिन कैसा वातावरण होता है?**

**उत्तर:** बारिश के दिन, थाथा खिड़की के बाहर इशारा करते हैं और बोलते हैं, "देखो! बरसात हो रही है। चलो! बाहर चलें।"

**3. मैं थाथा के साथ कैसे खेलती हूँ?**

**उत्तर:** मैं थाथा के साथ मछलियों को ढूँढ़ती हूँ और उनकी गोदी में बैठकर उनके साथ कूदती-फाँदती हूँ।

**4. थाथा और मूझे साथ में क्या करना पसंद है?**

**उत्तर:** थाथा और मूझे साथ में चाँद पर जाने, सिनेमा देखने, दौड़ लगाने, और कलाबाज़ियाँ खाने का शौक है।

**5. मैं थाथा के साथ क्या कहती हूँ जब वह किताब पढ़ रहे हैं?**

**उत्तर:** मैं थाथा के साथ कहती हूँ, "क्या मैं भी जादगर बनूँगी?" और फिर पछताती हूँ कि यदि मैं भी उनकी तरह बनूँ तो वह कहते हैं, "अब सो जाओ।"

**(EXERCISE-5.3)**

**4-mark**

**1. थाथा और मूझे साथ में जाने के शौक में क्या खास है?**

**उत्तर:** थाथा और मूझे साथ में जाने के शौक में उनका संबंध नए स्तर पर बढ़ता है, जहां वे समुद्र तट पर साथ वक्त बिता कर, चाँद पर जाने का और सिनेमा देखने का आनंद लेते हैं।

**2. कैसे थाथा और मूझे बारिश के दिन अपना समय बिताना पसंद है?**

**उत्तर:** बारिश के दिन, थाथा और मूझे समुद्र तट पर जाने में बहुत मजा आता है, हवा में घूमना, और दौड़ लगाना हमारे लिए एक खास अनुभव है।

**3. मेरे साथ थाथा के साथ बिताए जाने वाले समय की विशेषता क्या है?**

**उत्तर:** मेरे साथ थाथा के साथ बिताए जाने वाले समय में हम आपस में गहरे बंधन बनाते हैं, साथ में हंसते हैं और एक-दूसरे के साथ यात्रा का आनंद लेते हैं।

**4. मैं थाथा के साथ कैसे कला-बाज़ार खेलती हूँ?**

**उत्तर:** मैं थाथा के साथ कला-बाज़ार खेलती हूँ जिसमें हम दौड़ते हैं, मछलियों को ढूँढ़ते हैं, और उनकी गोदी में बैठकर खेलती-मस्ती करती हूँ।

**5. मैं थाथा के साथ कैसे घर लौटती हूँ?**

**उत्तर:** जब अंधकार होता है, तो मैं थाथा का हाथ पकड़ लेती हूँ और उनके साथ घर लौटती हूँ, जिससे हम एक दूसरे के साथ बंधन को मजबूती से महसूस करते हैं।

**(EXERCISE-5.4)**

## थाथू और मैं

**Chapter Summary:**

सारांश

इस कहानी में एक छोटी सी बच्ची अपने दादाजी से जुड़ी हुई है, जिन्हें वह 'थाथा' कहती है। कहानी में बताया गया है कि बच्ची और उसके थाथा कैसे समय बिताते हैं और किस तरह से उनके साथ विभिन्न क्रियाएँ करते हैं। वे साथ में समुद्र तट पर जाते हैं, सिनेमा देखते हैं, और बारिश के दिनों में भी आपस में मजा करते हैं। कहानी ने एक छोटे बच्चे और उसके दादाजी के बीच मोहब्बत और संबंध को सुंदरता से चित्रित किया है, जो एक सजीव और प्यार भरे रिश्ते को दर्शाता है।